

ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

**24-12-2024**

सदा हर परिस्थिति में, परिस्थिति बदले लेकिन स्थिति नहीं बदले। स्थिति सदा खजानों से सम्पन्न और सन्तुष्ट रहे तो परिस्थिति आयेगी और चली जायेगी। परिस्थिति की क्या शक्ति है जो आपकी सन्तुष्टता को ले जाये। परिस्थिति का खेल भले देखो लेकिन साक्षी बन, सन्तुष्टता की सीट पर बैठकर देखो।

**Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.**

Whatever the situation, let the situation change, but do not allow your stage to change. Let your stage be always full of treasures and always content, and the situations will come and also go away. What power do the situations have that they can take away your contentment? You may observe the games of the situations, but do so as a detached observer whilst seated on the seat of contentment.

